बिहार विधान-सभा वादवृत्त

बुधवार, दिनांक 10 जुलाई, 1991 ई०

(भाग-2 कार्यवाही प्रश्नोत्तर रहित)

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण ।

सभा का अधिवेशन पटना के सभा सदन में बुधवार, तिथि 10 जुलाई, 1991 ई० को पूर्वाह्न 11.00 बजे अध्यक्ष, श्री गुलाम सरवर के सभापतित्व में प्रारम्भ हुआ।

पटना

तिथि : 10 जुलाई, 1991 ई०

चन्द्रशेखर शर्मा
सचिव
बिहार विधान-सभा

अध्यक्ष : श्री भगवान सिंह शुरु करें।

श्री दीना नाथ पाण्डे : महोदय, मैंने अपनी बात नहीं पूरी की है। मेरे दल के नेता के प्रश्न पर सरकार कुछ कहने के लिए खड़ी हुई थी।

अध्यक्ष : आप अपना पढ़िये।

श्री दीना नाथ पाण्डे : महोदय, बक्सर जिले के सभी प्रखंडों में सुखाड़ पड़ गया है। वर्षा नहीं पहुँची, नहरों में पानी नहीं छोड़ा गया, राजकीय नलकूप सभी बेकार पड़े हैं। धान का बीया खेत में डाला नहीं जा सका है। नहरों में पानी तुरन्त छोड़ने, राजकीय नलकूपों को ठीक करने तथा किसानों के लिए पर्याप्त बिजली की आपूर्ति हेतू मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूँ।

(शोरगुल)

श्री जगदानन्द सिंह : अध्यक्ष महोदय, शून्य काल में 50-50 समस्यायें उठायी जाती थी और सरकार को जानकारी हो जाती थी और जब उसपर कुछ कहने और करने की बात होती थी तो उसका उपाय करते थे। महोदय, जिस ढंग से सदन चल रहा है और बड़े महत्वपूर्ण सवाल कई रह जायेंगे इसमें कोई दी राय की बात नहीं है। हर महत्वपूर्ण सवाल है इसलिए बारी बारी से कहें तो हमलोगों को सुनने का मौका मिलेगा। इसलिए अध्यक्ष महोदय, यह व्यवस्था शून्यकाल में करा दीजिये।

(ग) सर्विस स्टेशन को पुरा करना।

श्री भगवान सिंह : अध्यक्ष महोदय, भोजपुर जिलान्तर्गत बड़हड़ा प्रखण्ड में सरैया बाजार में कई वर्षों से जिला योजना

समिति की बैठक में माननीय मंत्री, ऊर्जा विभाग जो अभी जल संसाधन विभाग में पदस्थापित हैं, इनके द्वारा घोषणा की गयी थी कि आरा की बैठक में कि 9 जुलाई, तक जो सर्विस स्टेशन अधूरा पड़ा हुआ है उसको पूरा करा दिया जायेगा। लेकिन अभी तक उसमें काम प्रारम्भ नहीं हुआ है। हम चाहेंगे कि सदन में मंत्री उपलब्ध हैं इस सवाल का जवाब दें। इसके बारे में जिला योजना की बैठक में इन्होंने ही घोषण की थी कि जुलाई तक इसको पूरा कर दिया जायेगा।

श्री रघुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं व्यवस्था पर हूँ। मेरा व्यवस्था यह है कि अभी माननीय सदस्य श्री लाल मुनिचौबे जी ने जो सवाल उठाया, उसपर जबाव सरकार की ओर से होना चाहिए। हमारा यह नहीं कहना है कि केस का मेरिट क्या है ? उनपर जो चार्जेज है, वह गलत बात है। इनका कहना है कि वे सिरियस घायल है और उनको चोट लगा हुआ है और मरणासन्न की हालत में है। माननीय सदस्य का कहना है कि इसका जाँच करा दी जाय और इनको हॉस्पिटल में दखा करा दें। यह कौन सी बात है कि इसमें पक्ष और विपक्ष की बात हम करने जा रहें हैं। यह तो सरकार की बात है। इस तरह का सवाल तो सदन में हमलोग उठा ही सकते हैं। इसलिए इसपर सरकार का जवाब होना चाहिए।

अध्यक्ष : सरकार ने उत्तर दिया है ?

श्री रघुनाथ झा : सरकार ने उत्तर दिया है ?

अध्यक्ष : माननीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने श्री लालमुनि चौबे के द्वारा जो सूचना दी गयी है, उसको ग्रहण कर ली है और हम आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

श्री जगदानन्द सिंह : मैंने उसी समय ही कहा था कि माननीय सदस्य द्वारा जो सूचना सदन को दी गयी है, सरकार उसको ग्रहण करती है।

श्री विनायक प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, शून्यकाल में यह परिपाटी रही है कि सरकार के तरफ से मंत्रिगण बैठे रहते हैं और जिन माननीय सदस्यों को जो सूचना देना रहता, है, वे पढ़ देते हैं और सरकार उसको ग्रहण करती है। इस तरह की परिपाटी नहीं है कि शून्यकाल के हर प्रश्न पर सरकार कुछ जवाब दें।

अध्यक्ष : ठीक है।

(घ) पथ की मरम्मति।

श्री अवधेश राय : बेगुसराय जिलान्तर्गत बछवाड़ा कादरावाद पथ और आर. ई. ओ. पथ पूर्णतः क्षतिग्रस्त हो गया है। जिससे यातायात पूर्णतः ठप्प है। बराबर उक्त पथ में सवारी गाड़ी दुर्घटना ग्रस्त होता रहता है। विभाग को कई बार इस ओर ध्यान आकृष्ट किये गये हैं, परन्तु उसकी निष्क्रियता से अभी तक उक्त पथ में कुछ भी नहीं किये जा सके हैं।

अतः मैं सरकार से माँग करता हूँ कि बछवाड़ा कादरावाद पथ की अविलम्ब मरम्मति करवायी जाय तथा इस पथ की आर.ई.ओ. से पथ निर्माण विभाग को सौंप दी जाय।

(ङ) सड़क एवं नाला का निर्माण।

श्री राजीव प्रताप सिंह : अध्यक्ष महोदय, छपरा जिला स्थित तैरैया प्रखण्ड के गोबिनापुर ग्राम के निकट डबटा